॥ श्री शनि देव जी की आरती ॥

॥ जय जय श्रीशनि देव ॥

जय जय श्रीशनि देव भक्तन हितकारी ।
सूर्य पुत्र प्रभु छाया महतारी ॥

॥ जय जय हे श्रीशनि देव... ॥

श्यामा अंग वक्र-दृष्टि चतुर्भुजा धारी ।
नीलाम्बर धार नाथ गज की सवारी ॥

॥ जय जय हे श्रीशनि देव... ॥

क्रीट मुकुट शीश राजित दिपत हैं लिलारी ।
मुकतन की माला गलें सुशोभित बलिहारी ॥

॥ जय जय हे श्रीशनि देव... ॥

मोदक मिष्ठान्न पान चढ़त हैं सुपारी ।
लोहा, तिल, तेल, उड़द महिषी अति प्यारी ॥

॥ जय जय हे श्रीशनि देव... ॥

देव दनुज ऋषि मुनि सुमिरत नर नारी ।
विश्वनाथ धरत ध्यान शरण हैं तुम्हारी ॥

जय जय हे श्रीशनि देव भक्तन हितकारी ।
सूर्य पुत्र प्रभु छाया महतारी ॥

pujakatha.com